डॉ. के. वी. राजू, आर्थिक सलाहकार, माननीय मुख्यमंत्री जी उत्तर प्रदेश का दिनांक 29 नवम्बर 2020 को महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केंद्र की समीक्षा बैठक की कार्यवाही

दिनांक 29 नवम्बर 2020 को महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केंद्र पर डॉ. के. वी. राजू, आर्थिक सलाहकार, माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार एवं प्रो. राजेश सिंह, कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर की संयुक्त अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। इस बैठक की शुरुवात डॉ. प्रदीप राव, प्रभारी महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केंद्र, गोरखपुर द्वारा अतिथि स्वागत संबोधन के साथ किया गया। इस समीक्षा बैठक में केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. वी.पी. सिंह, डॉ. अजित श्रीवास्तव, श्री अवनीश सिंह, संदीप प्रकाश उपाध्याय डॉ. राहुल कुमार सिंह एवं डॉ. संदीप कुमार सिंह द्वारा विषयवार माह सितम्बर 2020 से नवम्बर 2020 तक की प्रगति प्रतिवेदन एवं माह दिसम्बर 2020 से फरवरी 2021 तक की कार्ययोजना का प्रस्तुतीकरण किया गया। जनपद के कृषकों के हितार्थ को ध्यान में रखते हुए डॉ. के वी. राजू, प्रो. राजेश सिंह एवं डॉ. प्रदीप राव जी द्वारा निम्नलिखित सुझाव दिए गये-

सुझाव

डॉ. के.वी. राजू-

1. सितम्बर 2020 से नवम्बर 2020 तक का प्रगति प्रतिवेदन प्रति वैज्ञानिक को एक पेज में लक्ष्य के सापेक्ष उपलब्धि के आधार पर दो दिन के अंदर KVK-DDU व्हाट्स समूह में जमा करना है।
2. केंद्र के हर वैज्ञनिक को कम से कम पांच Case Study स्टैण्डर्ड फॉर्मेट में करके 26 दिसंबर तक कृषि विज्ञान केंद्र के वेबसाइट पर अपलोड करना है तथा सभी Case Study को संकलित कर एक शोध पत्र तैयार करना है।
3. दिसंबर 25 तक पिछले चार महीने का विश्लेषित summary report तैयार करना है जिसका संकलन निम्न बिन्दुवों के आधार पर होना है।
    (i) विषय, प्रशिक्षित किसानों की संख्या, एड्ड्रेस इत्यादि
    (ii) कृषि विज्ञान केंद्र का इम्पैक्ट- measurable indicator के साथ
    (iii) कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा किये शोध प्रोजेक्ट तथा गतिविधियाँ
    (iv) कृषि विज्ञान केंद्र के लक्ष्य तथा उपलब्धि
    (v) समस्याएँ
4. कृषि विज्ञान केंद्र की वेबसाइट पर एक नया आइकॉन FPO के नाम से बनाया जाए तथा प्रत्येक वैज्ञानिक द्वारा हर FPO पर एक पेज का राइटअप स्टैण्डर्ड फॉर्मेट में बनाकर वेबसाइट पर अपलोड कराया जाए।
5. चौक फार्म, महाराजगंज का जल्द से जल्द कंटूर सर्वे कर नक्शा जमा किया जाए।
6. चौक फार्म, महाराजगंज में इनलैंड फिश फार्मिंग एवं हॉर्टिकल्चर की योजना का प्रस्ताव दिसंबर 10, 2020 तक प्रबंध समिती द्वारा अनुमती पश्चात जमा किया जाए।

7. महायोगी गोरखाथ कृषि विज्ञान केंद्र के कार्यक्षेत्र में आने वाले 10 ब्लाक को प्रत्येक वैज्ञानिक दो ब्लाक की दर से आवंटित कर 10 दिन के अन्दर रिपोर्ट जमा किया जाए।
8. वैज्ञानिक उद्यान को गोरखपुर में कितने शादी महल एवं मंदिर हैं जिनसे फूलों की प्राप्ति हो सकता है का रैपिड सर्वे करके तीन दिन के अन्दर रिपोर्ट जमा करना है।

प्रो. राजेश सिंह –

1. महोदय द्वारा यह निर्देशित किया गया की 2 दिसंबर तक प्रत्येक वैज्ञानिक अपने दोनों को प्रोजेक्ट जमा करें जिससे दिसंबर 15, 2020 तक फंडिंग एजेंसी को भेजा जा सके।
2. 4 से 8 पेज में KVK at a Glance (हिंदी एवं अंग्रेजी) को स्टैण्डर्ड फॉर्मेट में विकसित कर दिसंबर 2, 2020 तक दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर में जमा करने हेतु डॉ. संदीप कुमार सिंह को निर्देशित किया गया।
3. प्रत्येक वैज्ञानिक द्वारा प्रति FPO, 250 किसानों को शेयर होल्डर के रूप में जोड़ा जाए।
4. क्रषि विज्ञान केंद्र द्वारा स्थापित निम्नलिखित एंटरप्राइज का पांच साल का व्यवसायिक मॉडल तैयार कर जमा किया जाए-
   (i) बीज उत्पादन
   (ii) कालानमक
   (iii) गुड उत्पादन
   (iv) मशरुम
   (v) मधुमक्खी पालन
   (vi) अगरबत्ती
5. 10 से 12 दिसंबर के बीच सभी FPO के निदेशक मंडल के साथ संयुक्त बैठक कर लिया जाए।
6. चौक बाजार, महाराजगंज फार्म पर पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल पर बीज उत्पादन की योजना बनाकर डॉ. संदीप कुमार सिंह द्वारा प्रस्तुत किया जाए।
7. स्टैण्डर्ड फॉर्मेट में किसानों का डेटाबेस तैयार कर महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केंद्र की वेबसाइट पर अपलोड किया जाए।

डॉ. प्रदीप राव –

1. आयुष वाटिका \ मानव वाटिका में कृषि विज्ञान केंद्र की निर्धारित भूमिका का निर्वहन किया जाए।
2. कृषि विज्ञान केंद्र की समस्यायों पर चर्चा किया जाए एवं योजना बनायी जाए।
3. चौक फार्म, महाराजगंज में रोटावेटर से दो शिफ्ट में काम कराया जाए।
4. कृषि विज्ञान केंद्र के कार्यक्षेत्र में आने वाले समस्त ब्लाक में एक-एक मॉडल किसान तैयार किया जाए।

समिती द्वारा महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केंद्र को आने वाले ढाई सालों में देश के कृषि विज्ञान केन्द्रों की रैंकिंग में टॉप टेन में शामिल कराने हेतु केंद्र के समस्त वैज्ञानिकों से सुझाव माँगा गया, जो निम्नवत हैं-

1. एम किसान पोर्टल पर कृषि विज्ञान केंद्र की समस्त गतिविधियों को अपलोड किया जाए।
2. पंचायत स्तर पर व्हाट्स ऐप्प समूह का निर्माण किया जाए।
3. 20 किसान उत्पादक कम्पनी का गठन किया जाए एवं प्रभावी प्रबंधन की योजना बनायीं जाए।
4. कृषि विज्ञान केंद्र को आदर्श प्रशिक्षण केंद्र के रूप में स्थापित किया जाए।
5. कृषि विज्ञान केंद्र से लाभान्वित सभी किसानों की डेटाबेस तैयार किया जाए।
6. केंद्र द्वारा उत्पादित अनाज, बीज एवं अन्य खाद्य सामग्री के ब्रांडिंग एवं मार्केटिंग पर जोर दिया जाए।
7. पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल के आधार पर बीज उत्पादन का कार्य किया जाए।